SHRI LAL K. ADVANI: We can have it introduced on Monday. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: It was circulated. But because it was raining it could not reach you.

SHRI LAL K. ADVANI: It can be taken up on Monday. But we will be abiding by the rules. (*Interruptions*)

AN HON. MEMBER: If you do not want to follow, suspend the rule. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: We go by your advice, Mr. Advani. Thank you. So, all these will not go now. Now we can have .... (*Interruptions*).

SHRI H. K. L. BHAGAT: I would not like to give any opportunity to the hon. Members while introducing the Bill...in case some of them have received ... (*Interruptions*). All right. We can introduce the Bill which you say you have not received on Monday. (*Interruptions*) I am accepting your point.

SHRI NIRMAL CHATTERJEE: Just two days ago we objected to the introduction of the Bill and there was a good deal of discussion on the introduction stage itself. (*Interruptions*). We have not seen the Bills.

SHRI H. K. L. BHAGAT: We will do it on Monday if you like. It does not make any difference. We can introduce it on Monday if you have not received. Most of you might have received them. (*Interruptions*)

SHRI K. MOHANAN (Kerala): No. You ask your office.

THE DEPUTY CHAIRMAN: We can introduce and discuss it on Monday. Now, Shri Sharad Yadav.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, यूनिवर्सिटी और डिग्री कालेजों के अध्यापकों की हड़ताल चल रही है... (**व्यवधान**)

उपसभापति : इस पर डिसकस हो गया है। मैंने आपको नहीं बोला है। आप बिना वजह क्यों बोल रहे हैं। हाऊस के कहने से ही हमने इसको पूरा डिसकस किया हुआ है। अब बार-बार तो नहीं उठा सकते है।......(**व्यवधान**)..

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीया, माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री.... (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष : प्लीज बैठ जाइए। नाट एलाउड।

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT): Madam, if the hon. Members have received the other Bills, I can introduce my Bill. (*Interruptions*)

SHRI PARVATHANENI UPENDRA (*Andhra Pradesh*): *What is your* Bill? There is nothing listed.

SHRI RAJESH PILOT: I will introduce my Bil, Madam.

SPECIAL MENTIONS

Reported strike by Newspaper sorrespondents to press their demands

श्री शरद यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे इस एक महत्वपूर्ण मसले को सदन में उठाने की अनुमति दी।

महोदया, 21 अगस्त से हिन्दी दैनिक हिन्दुस्तान के पत्रकारों की हड़ताल चल रही है और इन पत्रकारों की जो मांग है वह कोई आर्थिक मांग नहीं है। महोदया, हिन्दुस्तान में जो पत्रकारिता है उसकी आजादी का जब सवाल उठता है तो अधिकांश अखबार पूंजीपतियों या बड़े घरानों के हाथ में हैं जिसके कारण सारे अखबारों में जो प्रमोशन की नीति है वह नीति किसी तरह से बनी नहीं है। दैनिक हिन्दुस्तान के जो पत्रकार हैं वे इसी मसले को लेकर 21 तारीख से हड़ताल पर हैं। इन अखबारों में जितने भी पत्रकारों के ऐपाइंटमेंट्स होते हैं, वह सब राजनीतिक तरीके से होते हैं। महोदया, मैं जिक्र करना चाहता हूं कि पिछले हरियाणा में जो चुनाव हुए तो वहां के जो एक पत्रकार हैं और उनकी यूनियन के अध्यक्ष हैं, आनन्द प्रकाश जी, उन्होंने बाकायदा वहां के प्रबंधकों को लिखकर दिया और

[श्री शरद यादव]

वार्न किया कि अखबारों में जो खबरें छप रही हैं वह हिन्दुस्तान के जो पाठक हैं उनके साथ अन्याय हो रहा है। लगातार वहां के अखबारों में जो हालत थी उसकी रिपोर्ट सरकारी दबाव के कारण हरियाणा की जनता के खिलाफ छपती रही है। यह जो हिन्दुस्तान टाइम्स के प्रबंधक हैं वे राजनीतिज्ञों और अमीरों के हितों को बचाने के लिए वे जितने पत्रकारों का ऐपाइंटमेंट करते हैं वे सब के सब लोग राजनीतिक दृष्टि से भरती किए जाते हैं। हरियाणा के जो मुख्य मंत्री थे जो हार गए उनके ही इशारे पर पत्रकार भरती किए गए थे और उन्हीं के दबाव के चलते हरियाणा में पूरे के पूरे चुनाव की खबरें सही रूप में न छापने का काम हुआ। इन पत्रकारों की मांग है कि उनकी आजादी खतरे में हैं।

महोदया, इस सदन में जब भी आजादी का सवाल उठता है तो मालिकों के ऊपर हमला होता है और सभी तरफ से आवाज उठती है, लेकिन हिन्दुस्तान के जो पत्रकार हैं उनकी आजादी जब खतरे में है तो कोई आदमी उनको सुनने के लिए तैयार नहीं है। इन पत्रकारों को हड़ताल पर गए 6 दिन हो गए। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि सरकार इनकी मांगों की ओर ध्यान दे।

[उपसभाध्यक्ष (श्री जमशेद देसाई) पीठासीन हुए]

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि सरकार इन पत्रकारों की हड़ताल पर ध्यान दे। एक अच्छी बात यह है कि इसी सदन में इस पत्र के मालिक और प्रबंधक भी हैं और हमारे सदस्य भी हैं। इसलिए इन पत्रकारों की जो मांग है, उनकी आजादी की जो मांग है, प्रमोशन की जो मांग है, वहां पत्रकारों के सेवा के जो मालिक हैं, वह हिन्दुस्तान दैनिक के पत्रकार हैं उनकी मांगों को सुनें। ये कोई आर्थिक मांगें नहीं हैं, उनको तत्काल सुनना चाहिए।

इन शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

NEED FOR LOOKING INTO THE WORKING OF N.T.P.C.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): Sir, I rise to draw the attention of this House on which, I am sure, all my colleagues are going to associate themselves with me since this is a very important issue. We have been talking, in the same breath, of going into the twenty-first century. But are we going into it with candle lights? There is extreme shortage of power in our country today and we have had Ministers giving us explanations saying that the rain Gods were not kind enough. Now the rain Gods take care of hydel power generation. So, naturally, when the rain gods are not doing their job, it is time for us to wake up and decide what we can do about it. Naturally, the focus shifts to thermal power generation. Now, the NTPC which, as I foresee, is going to be a predominant factor in the development of our technology and in everything else in this country and we have to examine the objectives of the NTPC. What has the NTPC achieved? There is a news item which I would like to draw the attention of the House to. It says:

> "Generation of power at the Bongaigaon thermal power station in Assam has been below the desired level due to various reasons like disturbances, shortage of trained staff and the problem of equipment."

This was disclosed by the Industry Minister, Mr. Vengal Rao in a written reply to Mr. Birla in the Rajya Sabha. The Minister has also said that no major complaints have been received from the other State Governments regarding the BHEL generators. Now this means that we have taken the onus of responsibility of saying that the BHEL is on par with any other unit in any other country. However, there are other aspects which we have